कहु षटपद, कैसे खैयतु है हाथिन के संग गांड़े।।
काकी भूख गई बयारि भखि, बिना दूध घृत मांड़े।।
काहे का झाला लै मिलवत, कौन चोर तुम डांड़े।।
सूरदास तीनों नहिं उपजत, धनिया धान कुम्हांड़े।।

अथवा

भावी बस प्रतीति उर आई। पूंछ रानि पुनि सपथ देवाई।।
का पूंछहु तुम्ह अबहु न जाना। निजहित अनहित पसु पहिचाना।।
भयउ पाखु दिन सजत समाजू। तुम्ह पाई सुधि मोहिसन आजु।।
खाइअ पहिरिअ राज तुम्हारे। सत्य कहें नहिं दोषु हमारे।।
जौ असत्य कछु कहन बनाई। तौ विधि देइहि हमहि सजाई।।
रामहि तिलक कालि जौं भयऊ। तुम्ह कहुं बिपति बीजु विधि बयऊ।।
रेख खंचाइ कहउं बलु भाषी। भामिनि भइहु दूध कइ भाखी।।
जौं सुत सहित करहु सेवकाई। तौ घर रहहु न आन उपाई।।

प्रश्न 2. निम्नाकित दीर्घ उत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **(8x3=24)**

(क). कबीर के काव्य में रहस्यवाद की विवेचना कीजिए।

अथवा

महाकाव्य की दृष्टि से पद्मावत की समीक्षा कीजिए।

(ख). "सूर का वात्सल्य वर्णन अद्वितीय है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

सिद्ध कीजिए कि कवि तुलसीदास सच्चे अर्थों में लोकनायक थे।

(ग). भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सगुण भक्ति धारा पर एक निबंध लिखिए।

---x---

Roll No.....

Total No. of Sections : 03

Total No. of Printed Pages : 04

Internal Examination

बी.ए.–प्रथम

हिन्दी साहित्य

प्रश्नपत्र–प्रथम

प्राचीन हिन्दी काव्य

Max.Marks : 75

Time : 3 Hrs. **Min.Marks : 25**

टीप : **खण्ड 'क' में दस अतिलघूत्तरी प्रश्न हैं, जिन्हें हल करना अनिवार्य है। खण्ड 'ख' में लघूत्तरी प्रश्न एवं खण्ड 'ग' में दीर्घ उत्तरी प्रश्न हैं। खण्ड 'क' को सबसे पहले हल करें।**

खण्ड-'क'

निम्नांकित अतिलघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दें। **(1x10=10)**

प्रश्न 1. प्राचीन काव्य से क्या तात्पर्य है?

प्रश्न 2. आदिकाल का दूसरा नाम क्या है?

प्रश्न 3. आचार्य नन्द दुलारे बाजपेयी किसे हिन्दी का सर्वप्रथम रहस्यवादी कवि मानते हैं?

प्रश्न 4. जायसी ने किस शैली में काव्य रचना की?

प्रश्न 5. कुहुकि कुहुकि जस कोयल रोई। रकत आँसु घुँघुची बन बोई। किसके द्वारा रचित पंक्ति हैं?

प्रश्न 6. सूरदास के गुरू का क्या नाम था?

प्रश्न 7. मैथिल कोकिल किस कवि के लिए कहा गया है?

P.T.O.

प्रश्न 8. रहीम की रचनाओं का एक संग्रह किस नाम से प्रकाशित हुआ है?

प्रश्न 9. कवि रसखान किसके भक्त थे?

प्रश्न10. घनानंद के काव्य का मूल वर्ण्य विषय क्या है?

खण्ड-'ख'

निम्नांकित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर 150–200 शब्द सीमा में दें।

(5x5=25)

प्रश्न 1. 'कबीर समाज सुधारक थे'– इस विषय पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

अथवा

'विद्यापति सौन्दर्योपासक कवि थे'– इस कथन को समझाइए।

प्रश्न 2. जायसी कृत नागमती का विरह हिन्दी साहित्य की अमूल्य धरोहर है। इस कथन को समझाइए।

अथवा

रहीम की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3. सूर की काव्य कला पर टिप्पणी लिखिए।

अथवा

प्रेम के अतिरिक्त रसखान ने भक्ति एवं नीति संबधी पदों की भी सर्जना की है। इन पर टिप्पणी लिखिये।

प्रश्न 4. तुलसीदास को समन्वयवादी कवि क्यों कहा जाता है? समझाइए।

अथवा

घनानंद के विरह वर्णन पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 5. निर्गुण काव्य धारा की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

भक्तिकाल को हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग क्यों कहते हैं? बताइए।

खण्ड-'ग'

निम्नांकित दीर्घ उत्तरी प्रश्नों के उत्तर 300–350 शब्द सीमा में दें।

प्रश्न 1. निम्नांकित काव्य पंक्तियों कि प्रसंग एवं संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **(8x2=16)**

(क) कबीर सुमिरण सार है, और सकल जंजाल।
आदि अंत सब सोधिया, दूजा देखौं काल।।
पंच संगी पिव–पिव करै, छठा जु सुमिरै मन।
आई सूति कबीर की, माया राम रतन।।
मेरा मन सुमिरै राम कूँ, मेरा मन रामहिं आहि।
अब मन रामहि है रह्या, सीस नवावौं काहि।।

अथवा

चढ़ा असाढ़ गगन घन गाजा। साज बिरह दुंद दल बाजा।।
धूम, साम, धौरे घन धाये। सेत धजा बग पाँति दे खाये।।
खड़क–बीजू चमकै चहूँ ओरा। बुंद–बान बरसहिं घन घोरा।।
ओनई घटा आइ चहुँ फेरी। कंतु उबारू मदन हौं घेरी।।
दादुर मोर कोकिला, पीऊ। गिरै बीजु, घट रहै न जीऊ।।
पुस्य नखत सिर ऊपर आवा। हौं बिनु नाह, मंदिर को छावा।।
अद्रा लागि लागि भुइँ लेई। मोहिं बिनु पिउ को आदर देई।।

(ख). आये जोग सिखावन पांड़े।
परमारथी पुरानि लादि ज्यौं बनजारे टांड़े।
हमरी गति पति कमलनयन की जोग सिखै ते रांड़े।।
कहौ, मधुप कैसे समाएंगे एक म्यान दो खांड़े।।

P.T.O.